Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 8005

PAPER – III

GEOGRAPHY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

GEOGRAPHY

भूगोल

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Several distinctive forms of biogeography may be recognized in the contemporary literature. Prominent among them is a focus on distribution patterns, often of plant taxa (phytogeography), and their evolution over geological time. Few would argue that, ecologically, the rainforests of Africa and South America are functionally similar, but the taxonomic identities of the two regions are markedly distinct so that taxa in similar habitats are different because they have different histories. The sub-discipline of vicariance biogeography arose out of the recognition that history, by way of continental drift and other large-scale geological and climatic changes, has played the dominant role in determining taxonomic distribution patterns at the global scale. CLADISTIC biogeography goes one stage furthur in recognizing that the precise evolutionary relationships between taxa are a direct function of the particular sequence of events in their respective geographical areas of distribution, i.e. the relationships between geographical areas can be reconstructed from knowledge of the taxa occuring there.

Ecological ideas, in particular the development of the ECOSYSTEM concept, have proved central, especially in the contemporary geographers' (as opposed to biologists') approach to biogeography. This spawned the consideration of major vegetation formations, or BIOMES, which could be seen as an expression of the environmental relationships at the global scale. Another expression of ecological ideas, in this case the branch of population ecology, arose out of MacArthur and Wilson's (1967) ideas on ISLAND BIOGEOGRAPHY, which viewed species complements on islands, microcosms of larger scale ecosystems, as the product of an equilibrium between colonizing species and those becoming extinct. The potential for this idea to help resolve the growing CONSERVATION crisis was soon realized and, although direct application of the equilibrium approach has proved fruitless, it encouraged critical thinking as to the mechanisms underlying accelerated human-induced extinction. Indeed, biogeography exhibits a strong degree of involvement in that area of science dealing more broadly with human-environment relationships. Biogeographers, particularly those with training as geographers, have also made significant contributions in the field of Quaternary palaeoecology, where a dynamic approach to the rather more static large-scale biome studies has been fostered.

Read the above passage carefully and answer the following questions.

समसामयिक साहित्य में जीवजन्तु - भूगोल के अनेक विशिष्ठ रूपों की पहचान की जा सकती है। इनमें से प्रमुख रूप 'प्लांट टैक्सा' के वितरण पैटर्न्स एवं भूवैज्ञानिक समय से उनके विकास पर केंद्रित है। इस बात पर

बहुत कम लोग तर्क-वितर्क करेंगे कि पारिस्थितिक संदर्भ में अफ्रीका तथा साउथ अमेरिका के वर्षा-प्रचुर वन प्रकार्यात्मक रूप से समान हैं। परन्तु इन दो क्षेत्रों की वर्गीकरणात्मक विशिष्टताएँ स्पष्टतया भिन्न होती हैं, अत: समान भूमि क्षेत्र में 'टैक्सा' भिन्न होंगे क्योंकि इनका इतिहास भिन्न है। 'विकेरियेंस बायोजियोग्राफी' नामक उप-विषय इस अभिज्ञान से उत्पन्न हुआ कि, महाद्वीपीय अपवाह तथा अन्य उच्चस्तरीय भौगोलिक एवं जलवायुजन्य परिवर्तनों के द्वारा इतिहास ने वर्गीकरणात्मक वितरण पैटर्न्स को वैश्विक स्तर पर निर्धारित करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। 'क्लाडिस्टिक बायोजियोग्राफी' एक कदम आगे जाकर इस बात की पहचान करता है कि 'टेक्सा' के बीच सटीक विकासवादी संबंध उनके वितरण के अपने-अपने भौगोलिक क्षेत्र की घटनाओं के विशिष्ट अनुक्रम के प्रत्यक्ष प्रकार्य का प्रतिफल है, अर्थात वहाँ प्रकट होने वाले 'टेक्सा' की जानकारी द्वारा भौगोलिक क्षेत्रों के संबधों को पुनर्निमित किया जा सकता है। विशेष रूप से समसामयिक भूगोलवेत्ताओं (जीववैज्ञानिकों के विपरीत) के जैवभूगोल (बायोजियोग्राफी) के प्रति दृष्टिकोण में, पारिस्थितिकीय विचार, 'इको सिस्टम' विचारधारा के विकास के विशेष संदर्भ में, केंद्रीय प्रमाणित हुए हैं। इससे प्रमुख वानस्पतिक विन्यासों या 'बायोम्स' को ध्यान में रखने का विचार उत्पन्न हुआ, जिसको वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय संबंधों की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जा सकता है। पारिस्थितिकीय विचारों की एक अन्य अभिव्यक्ति, जो इस मामले में जनसंख्या-पारिस्थितिकी की एक शाखा है, मैक अर्थर तथा विल्सन (1967) के 'आइलैण्ड बायोजियोग्राफी' पर विचान से उत्पन्न हुई, जिसमें द्वीपों पर के प्रजातीय अंतर्संबंधों तथा बृहद्-स्तरीय 'इकोसिस्टम्स' के लघु ब्रह्माण्डों पर बस्ती के रूप में बसने वाली तथा विलुप्त होने वाली प्रजातियों के बीच की साम्यावस्था के उत्पाद के रूप में विचार किया गया है। बढ़ते हुए संरक्षण - संकट का समाधान प्रस्तुत करने में इस विचार की शक्यता शीघ्र ही महसूस की गई, यद्यपि साम्यावस्था - उपागम की प्रत्यक्ष अनुप्रयुक्ति निष्फल सिद्ध हुई, तीव्रगति से होने वाली मानव - उत्प्रेरित विलुप्तता के उपायों पर समालोचनात्मक चिंतन को इससे प्रोत्साहन मिला। वास्तव में, 'बायोजियोग्राफी' विज्ञान के उसक्षेत्र में अतिशय संलिप्तता प्रदर्शित करता है जिसका मोटे तौर पर संबध मानव - पर्यावरण संबंधों से है। जैवभूगोलवेत्ताओं, विशेष रूप से वे जो भूगोलवेत्ताओं के रूप में प्रशिक्षित हैं, ने भी 'क्वाटर्नरी पॉलियोइकोलॉजी' के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान किये हैं, जिसमें विशद् स्तरीय अतिअगत्यात्मक जैव (वायोम) आध्ययनों के स्थान पर एक गत्यात्मक उपगम अपनाया गया है।

उपरोक्त पैसेज ध्यानपूर्वक पढ़े तथा निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

1. List the main factors responsible for taxonomic patterns of Biomass.

जीवो के वर्गीकरण रूपों के लिये उत्तरदायी प्रमुख कारकों का विवरण दें।

2. Explain the term "biomes".

'जैव' (बायोम्स) शब्दावली की व्याख्या करें।

3. What MacArthur and Wilson tried to explain in the book Island Biogeography ?

'आइलैंड बायोजागराफी' पुस्तक में मैकार्थर एवं विल्सन ने क्या व्याख्या करने का प्रयास किया है?

4. How does biogeography assist in solving contemporary environmental problems ?

समसामयिक पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान में जैविक भूगोल किस प्रकार सहायता करता है ?

5. How is the continental drift related to Biogeography ?

जैविक भूगोल महादेशीय विस्थापन ने किस प्रकार संबधित है ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. How can a valley formed by glacial erosion be distinguished from a valley formed by stream erosion ?

हिमनद के क्षरण से निर्मित घाटी, नदी के क्षरण से निर्मित घाटी से, किस प्रकार भिन्न है?

7. What is the influence of Coriolis Force on Indian Monsoon ?

भारतीय मानसून पर 'कोरियालिस' शक्तियों का क्या प्रभाव है?

8. What is the difference between the rainfall that accompanies the passage of a warm front and a cold front ?

उष्म अग्रांत एवं शीतल अग्रांत के साथ होने वाली वर्षा में क्या अंतर है?

9. What are the causes of sea level changes ?

समुद्र सतह में परिवर्तन के क्या कारण हैं?

10. Identify five "hot spots" of biodiversity and give an account of any one of them.

जीव विविधता के पाँच ''बहुचर्चित स्थलों'' की पहचान करें एवं इनमें से किसी एक का वर्णन करें।

11. Distinguish between determinism and neo-determinism.

निश्चयवाद एवं नवनिश्चयवाद में प्रभेद करें।

12. Briefly comment on the population resource relationship towards sustainability.

जनसंख्या-संसाधन संबन्ध के टिकाउपन पर संक्षिप्त टिप्पणी करें।

13. Give the locational characteristics of footloose industries with example.

स्वच्छंद उद्योगों के स्थानिक विशषताओं को उदाहरण के साथ वर्णन करें।

14. Comment on the concept of social well-being.

सामाजिक कल्याण की अवधारणा पर टिप्पणी करें।

15. Differentiate between political boundary and a frontier.
राजनीतिक सीमाएँ एवं सीमांत में अन्तर बताएँ।

16. Comment on the applicability of concept of 'Growth Centre' in Regional Planning.
प्रादेशिक नियोजन में वृद्धि केन्द्र की अवधारणा की प्रयोज्यता पर टिप्पणी करें।

17. What are the parameters to delineate "Agro-Climatic Regions" in India ?

भारत में कृषि-जलवायुविक प्रदेशों के परिसीमन में प्रयोजित परिमापें क्या है, वर्णन करें ?

18. Why we study population growth in urban development ?

नगरीय विकास में जनसंख्या वृद्धि का अध्ययन क्यों किया जाता है?

19. Distinguish between the single purpose and composite maps. Give examples.

एकल एवं बहु-उद्देशीय मानचित्रों का उदाहरण के साथ प्रभेद करें।

20. Describe the components of thematic maps.

विषयक मानचित्र के घटकों का वर्णन करें।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. EAch question is to be answered in about two hundred (200) words. **(12x5=60 marks)**

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12-12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**

21. Why the sky in the vicinity of a cyclone is cloudy whereas it is clear in the vicinity of an anticyclone ?
चक्रवात के समीप आकाश मेघाच्छदित रहता है। किन्तु प्रतिचक्रवात के समीप आकाश क्यों साफ रहता है?

22. How do ocean currents affect regional climate and economy ?
सामुद्रिक जलधाराएँ प्रादेशिक जलवायु एवं अर्थव्यवस्था को किस प्रकार से प्रभावित करती हैं?

23. Assess the role of crop diversification in food security of developing economies.
विकासशील अर्थव्यवस्था में खाद्य सुरक्षा के लिये फसलों के विविधकरण की भूमिका का मूल्यांकन करें।

24. What should be the main objectives and thrust of Regional Planning in India ?
भारत में प्रादेशिक नियोजन के लिये प्रमुख उद्देश्य एवं दिशा क्या होनी चाहिये?

25. Illustrate the importance of GIS in resource management.
संसाधन प्रबंधन में भौगोलिक सूचना तंत्र के महत्व को प्रदर्शित करें।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Discuss the coastal and marine resources of India and account for their under Utilisation.

भारत के तटीय एवं सामुद्रिक संसाधनों की विवेचना करें एवं उनके अल्प उपयोग का विवरण दें।

OR / अथवा

Discuss various cartographic methods in representing data related to physiographic, economic and demographic aspects.

भूआकृतिक, आर्थिक एवं जनसंख्यकीय पहलुओं को प्रदर्शित करने के लिये मानचित्र कला की विभिन्न विधियों की विवेचना करें।

OR / अथवा

"Landscape is a function of structure, process and stage". Critique the statement..

''भूद्रष्य संरचना, प्रकिया एवं अवस्था का 'प्रतिफल है'' कथन की समालोचना करें।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....